Enam Date - 26.12.22

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।/**Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.**

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : **16**
No. of Pages in Booklet : **16**

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : **150**
No. of Questions in Booklet : **150**

Paper Code : **06**

SUBJECT : **Sanskrit**

ST-22

Paper-II

प्रश्न पुस्तिका संख्या / Question Booklet No. 6003717

समय : **02.30** घण्टे Time : **02.30** Hours

अधिकतम अंक : **300** Maximum Marks: **300**

प्रश्न पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथिन बैग को खोलने पर प्रश्न पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :-

- प्रश्न पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न पत्र प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के **5** मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper the candidate should ensure that:-

- Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.
- All pages & Question of Question booklet and OMR answer sheet are properly printed. All question as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after **five** minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
5. **OMR** उत्तर–पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर–पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से विवरण भरें।
6. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर सावधानी पूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
8. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः **1, 2, 3, 4** अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर–पत्रक पर **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से गहरा करना है।
9. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेज़ी रूपान्तरों में से अंग्रेज़ी रूपान्तर मान्य होगा।
10. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों–प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. The **OMR** Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
6. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Answer Sheet. Candidate will themselves be responisble for filling wrong Roll Number.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4**. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN.**
9. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature, then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.
10. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Prevention of Unfair means) Act, 2022 & any other law applicable and Commission's Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर पत्रक में दो प्रतियां हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति, परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर पत्रक की दोनों प्रतियां वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाईन से मोड़कर सावधानी पूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे। परीक्षार्थी कार्बन प्रति को अपने साथ ले जायेंगे।

1. उपसर्गरहितं पदमस्ति –

(1) आलापः (2) अनभिज्ञः
(3) अधीतः (4) अतीतः

2. शुद्धं वाक्यं वर्तते –

(1) सः त्वं अहं च संस्कृतेन व्याहरन्ति (2) त्रयः बालिकाः अत्र आगच्छन्ति
(3) मया चन्द्रं पश्यते (4) गम्भीरोऽयं जलाशयः

3. 'अस्मद्' शब्दस्य शुद्धं रूपमस्ति –

(1) मम् (2) आस्माकम्
(3) अस्मभ्यम् (4) अस्मांत्

4. हितोपदेशस्य रचयिता वर्तते –

(1) पं. श्रीरामदवे (2) पं. विष्णु शर्मा
(3) नारायण पण्डित (4) पं. प्रभाकरशर्मा

5. 'नभौ भरौ' इति लक्षणं कस्य छन्दसः?

(1) आर्यायाः (2) द्रुतविलम्बितस्य
(3) वसन्ततिलकायाः (4) उपेन्द्रवज्रायाः

6. "चन्द्रमा मनसो जातश्चक्षोः सूर्योऽजायत।" इति मन्त्रांशः कस्मिन् सूक्तेऽस्ति?

(1) इन्द्रसूक्ते (2) विश्वेदेवासूक्ते
(3) नासदीयसूक्ते (4) पुरुषसूक्ते

7. अप्रस्तुत प्रस्तुतयोरेकधर्माभिसम्बन्धः अलङ्कारो भवति –

(1) दृष्टान्तः (2) व्यतिरेकः
(3) तुल्ययोगिता (4) दीपकम्

8. 'ढरेफयोर्लोपनिमित्तयोः पूर्वस्याणो......................स्यात्' –

(1) दीर्घः (2) वृद्धिः
(3) गुणः (4) पररूपम्

9. 'ण्वुल्' प्रत्ययान्तः प्रयोगो नास्ति –

(1) वर्धकः (2) धारकः
(3) पाचकः (4) विपाकः

10. 'अस्मद्' शब्दस्य द्वितीया–विभक्तेः वैकल्पिक रूपाणि सन्ति –

(1) मा नौ नः (2) मां नौ नः
(3) मा नौ नाः (4) मे नौ नः

11. अच्–सन्धि विषये समुचितं कथनमस्ति –

(1) एच् स्थाने क्रमशः आयावयवाः आदेशाः भवन्ति (2) एङि पररूपमेकादेशो भवति
(3) अकोऽसवर्णे दीर्घो भवति (4) इक् स्थाने यण् स्यात् अण् परे सति

12. निम्नवर्णानाम् उच्चारणस्थानसन्दर्भे समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) अ, ग्, न्, ह् = कण्ठः (2) ञ्, म्, ङ्, ज् = नासिका
(3) लृ, त्, ल्, स् = दन्ताः (4) ऋ, ट्, श्, र् = मूर्धा

13. एषु अशुद्धं वाक्यमस्ति –

(1) शशिना सह याति कौमुदी
(2) स स्वरे रामभद्रमनुहरति
(3) एका परिखा या सदैव जलपूर्णा
(4) उपदेशो हि मूर्खाणां प्रकोपाय न शान्तये

14. श्रीमद्भगवद्गीतानुसारं समुचितं कथनं चिनुत –

(1) संगात् कामः सञ्जायते
(2) संगात् बुद्धिनाशो भवति
(3) बुद्धिनाशात् स्मृतिभ्रंशो भवति
(4) क्रोधाद् भवति कामः

15. "यावत्स्थास्यन्ति गिरयः सरितश्च महीतले"
उक्तिरेषा कस्मिन् संदर्भे कथिता?

(1) महाभारतसन्दर्भे
(2) सौन्दरानन्दसन्दर्भे
(3) नैषधसन्दर्भे
(4) रामायणसन्दर्भे

16. रामायणस्य प्रधानरसोऽस्ति –

(1) वीरः
(2) शृंगारः
(3) करुणः
(4) शान्तः

17. एतेषु सम्प्रदानकारकस्योदाहरणं नास्ति –

(1) विप्राय गां यच्छति।
(2) पत्ये शेते।
(3) गणेशाय मोदकं रोचते।
(4) हरिं नमस्करोति।

18. कारकदृष्ट्या शुद्धं वाक्यमस्ति –

(1) रमा सीतां अभीर्ष्यति।
(2) मयि आगते त्वं गमिष्यसि।
(3) रामेण हतः वालिम्।
(4) रामेण पादं खञ्जः।

19. द्विगुर्द्वन्द्वश्च नपुंसकं स्यात् –

(1) समाहारे
(2) एकशेषे
(3) इतरेतरयोगे
(4) घि–संज्ञकपूर्वे

20. 'पावकः' इत्यत्र कः सन्धिः वर्तते?

(1) पररूप–सन्धिः
(2) अयादि सन्धिः
(3) सम्प्रसारणम्
(4) अवङ् आदेशः

21. विष्णुशर्मणः पञ्चतन्त्रे अस्योल्लेखः नास्ति –

(1) अपरीक्षितकारकम्
(2) लब्ध–प्रणाशः
(3) सन्धि–विग्रहः
(4) मित्र–भेदः

22. भगवद्गीता – द्वितीयाध्यायस्य अपरं नाम किम्?

(1) चार्वाकः
(2) सांख्य–योगः
(3) न्यायः
(4) वैशेषिकः

23. 'षष्ठी चानादरे' सूत्रेऽस्मिन् 'च' इत्यनेन कस्याः विभक्तेः बोधो भवति?

(1) पञ्चम्याः
(2) षष्ठ्याः
(3) सप्तम्याः
(4) चतुर्थ्याः

24. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटके उदयनस्य वीणायाः नाम किमासीत्?

(1) वासवदत्ताप्रिया
(2) घोषवती
(3) सरस्वती
(4) प्रियवती

25. यथोचितं मेलनं कुरुत –

चतुर्षुचरणेषु वर्णसंख्या	छन्दः
(अ) 60	(i) वसन्ततिलका
(ब) 56	(ii) मन्दाक्रान्ता
(स) 76	(iii) मालिनी
(द) 68	(iv) शार्दूलविक्रीडितम्

(1) (अ)–(iii), (ब)–(i), (स)–(iv), (द)–(ii)
(2) (अ)–(ii), (ब)–(i), (स)–(iii), (द)–(iv)
(3) (अ)–(iii), (ब)–(iv), (स)–(ii), (द)–(i)
(4) (अ)–(iv), (ब)–(iii), (स)–(ii), (द)–(i)

26. 'ध्यै' इत्यस्मात् 'क्त' प्रत्ययं संयोज्य किं रूपं स्यात्?
(1) धातः
(2) ध्यानम्
(3) ध्येयः
(4) ध्यातम्

6003717

27. एषु अम्बिकादत्तव्यासस्य उपाधिर्नास्ति –
(1) पञ्चबाणः
(2) शतावधानः
(3) घटशतिका
(4) अभिनवबाणः

28. भुजङ्गप्रयात – छन्दसि प्रतिचरणेऽन्तिमो गणः कोऽस्ति?
(1) भगणः
(2) रगणः
(3) यगणः
(4) मगणः

29. "किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।" – अत्र छन्दोऽस्ति –
(1) मन्दाक्रान्ता
(2) शिखरिणी
(3) मालिनी
(4) शार्दूलविक्रीडितम्

30. 'स पर्यगाच्छुक्रमकायमव्रणम्' इत्यत्र 'अव्रणम्' इत्यस्य पदस्य को आशयः –
(1) अक्षतम्
(2) सर्वोपरि
(3) आकाशवद् व्यापी
(4) सर्वदृक्

31. "एतावानस्य महिमातो ज्यायांश्च" – अयं मन्त्रांशः कस्य सूक्तस्य अस्ति?
(1) संज्ञानसूक्तस्य
(2) पुरुषसूक्तस्य
(3) इन्द्रसूक्तस्य
(4) वरुणसूक्तस्य

32. "..............मः सजौ सततगाः" – कस्य छन्दस्य लक्षणमस्ति?
(1) मालिनी
(2) मन्दाक्रान्ता
(3) स्रग्धरा
(4) शार्दूलविक्रीडितम्

33. श्रीमद्भगवद्गीतानुसारं आत्मनः वैशिष्ट्यं नास्ति
(1) अनित्यः
(2) अविकार्यः
(3) अचिन्त्यः
(4) अशोष्यः

34. 'गंगा भार्या यस्य सः' इत्यस्य विग्रहाधारेण समस्तपदं स्यात् –
(1) गंगाभार्यः
(2) गंगभार्यः
(3) गंगभार्या
(4) गंगाभार्या

35. केषु कौशलं योगः कथ्यते?

(1) जगत्सु (2) इन्द्रियेषु

(3) कर्मसु (4) धर्मेषु

36. "विद्ययाऽमृतमश्नुते" उक्तिरियं कुत्र मिलति?

(1) ईशावास्योपनिषदि (2) श्रीमद्भगवद्गीतायाम्

(3) संज्ञानसूक्ते (4) विश्वेदेवासूक्ते

37. "लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः।
असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता।।"
अत्र कयोः अलंकारयोः स्थितिः वर्तते?

(1) अनुप्रासोत्प्रेक्षयोः (2) दीपकोत्प्रेक्षयोः

(3) रूपकोत्प्रेक्षयोः (4) उपमोत्प्रेक्षयोः

38. 'न जाने भोक्तारं कमिह समुपस्थास्यति विधिः' – अत्र छन्दोऽस्ति –

(1) मन्दाक्रान्ता (2) मालिनी

(3) हरिणी (4) शिखरिणी

39. उक्ते कर्मणि, अनुक्ते कर्तरि का विभक्तिः भवति?

(1) उक्ते कर्मणि प्रथमा, अनुक्ते कर्तरि तृतीया (2) उक्ते कर्मणि द्वितीया, अनुक्ते कर्तरि तृतीया

(3) उक्ते कर्मणि द्वितीया, अनुक्ते कर्तरि प्रथमा (4) उक्ते कर्मणि प्रथमा, अनुक्ते कर्तरि द्वितीया

40. 'मोक्षे इच्छाऽस्ति' – इत्यस्मिन् वाक्ये कः आधारः?

(1) वैषयिकः (2) औपश्लेषिकः

(3) अभिव्यापकः (4) अन्तःस्थः

41. 'दैत्येभ्यो हरिः ....।' – रिक्त स्थाने अनुपयुक्तं पदं किम्?

(1) अलम् (2) स्वधा

(3) शक्तः (4) प्रभुः

42. पञ्चसु महायज्ञेषु न गण्यते –

(1) भूयज्ञः (2) नृयज्ञः

(3) पितृयज्ञः (4) ब्रह्मयज्ञः

43. एतासु दुष्यन्तस्य पत्नी का?

(1) हंसपदिका (2) उर्मि

(3) मधुकरिका (4) सानुमती

44. अधोलिखितेषु अव्ययपदं नास्ति –

(1) इत्थम् (2) किमर्थम्

(3) तस्य (4) इदानीम्

45. 'धात्रंशः' पदस्य संधिविच्छेदः स्यात् –

(1) धाता + अंश (2) धात्रि + अंशः

(3) धातृ + अंशः (4) धात्र + अंशः

46. मन्दाक्रान्ताछन्दसि यतिर्भवति –

(1) 4, 6, 8 -वर्णेषु (2) 4, 6, 7-वर्णेषु

(3) 7, 6, 4 -वर्णेषु (4) 6, 4, 7 -वर्णेषु

6003717

47. यत्र उपमेयस्य उपमानेन सह सम्भावना क्रियते, तत्र कोऽलङ्कारः?

(1) उत्प्रेक्षा (2) भ्रान्तिमान्

(3) दृष्टान्तः (4) निदर्शना

48. 'उपान्वध्याङ्वसः' इति सूत्रेण आधारस्य संज्ञा भवति –

(1) अधिकरणम् (2) सम्प्रदानम्

(3) कर्म (4) करणम्

49. "हरये असूयति" इति अधोलिखितेषु सूत्रेषु कस्य सूत्रस्योदाहरणम्?

(1) धारेरूत्तमर्णः (2) स्पृहेरीप्सितः

(3) क्रुधद्रुहोरूपसृष्टयोः कर्म (4) क्रुधद्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः

50. 'ऋषिऋणात्' मुक्तिः केन भवति?

(1) धनोपार्जनेन (2) यज्ञसंपादनेन

(3) स्वाध्यायेन (4) सन्तानोत्पादनेन

51. "विवेकभ्रष्टानां भवति......................शतमुखः।" भर्तृहरिविरचितं श्लोकाशं समुचितपदेन पूरयत –

(1) उत्पातः (2) विनिपातः

(3) समुत्पातः (4) सन्निपातः

52. 'गोविन्द वैभवम्' इत्यस्य रचनाकारोऽस्ति –

(1) देवर्षिकलानाथ शास्त्री (2) डॉ. प्रभाकरंशास्त्री

(3) भट्टमथुरानाथशास्त्री (4) पं. पद्मशास्त्री

53. द्वितीया विभक्तिः भवति –

(1) दाधातोः योगे (2) भीधातोः योगे

(3) साकम्–योगे (4) हा–योगे

54. कृद्योगे कर्तरि विभक्तिः भवति –

(1) सप्तमी (2) पञ्चमी

(3) तृतीया (4) षष्ठी

55. "वह पढ़ती हुई बालिका को देखती है।" वाक्यस्य समुचितः संस्कृतानुवादोऽस्ति –

(1) सा पठतीं बालिकां पश्यति। (2) सः पठती बालिकां पश्यति।

(3) सा पठन्तीं बालिकां पश्यति। (4) सः पठन्तीं बालिकां पश्यति।

56. 'अङ्कः, कुण्ठितः, गुम्फितः' अत्र सन्धिविधायकं सूत्रमस्ति –

(1) ष्टुना ष्टुः (2) मोऽनुस्वारः

(3) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः (4) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा

57. अनुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) अवतीर्य – ल्यप् (2) योगः – धञ्

(3) गन्ता – तल् (4) कारकः – ण्कल्

58. उपसर्गदृष्ट्या कतमो विकल्पो सुमेलितो नास्ति –

(1) वि+अप+दिश् = व्यपदिशति (2) वि+अव+हृ = व्यवहरति

(3) अभि+अधि+गम् = अभ्युपगच्छति (4) निर्+आ+कृ = निराकरोति

59. यज्ञोपवीतस्य सर्वप्रथमं धारणं कस्मिन् संस्कारे भवति?

(1) समावर्तने (2) उपनयने

(3) विवाहे (4) अन्नप्राशने

60. "अधरः किसलयरागः कोमलविटपानुकारिणौ बाहू।" अत्र छन्दः किम्?

(1) इन्द्रवज्रा (2) उपजातिः
(3) आर्या (4) द्रुतविलम्बितम्

61. "यतश्च निर्धारणम्" सूत्रेऽस्मिन् 'यतः' इत्यनेन किं तात्पर्यम्?

(1) समुदायात् (2) आधारात्
(3) कारकात् (4) सृष्टिकारणात्

62. संसारेऽधुना इत्यत्र संधिसूत्रमस्ति –

(1) अदेङ् गुणः (2) शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम्
(3) एङि पररूपम् (4) एङः पदान्तादति

63. 'वधूत्सवः' इत्यत्र समुचितः सन्धि–विच्छेदः वर्तते –

(1) वध् + उत्सवः (2) वधू + उत्सवः
(3) वधू + ऊत्सवः (4) वधु + ऊत्सवः

64. 'अजाद्यदन्तम्' इत्यस्य सूत्रस्योदाहरणं विद्यते –

(1) शिवकेशवौ (2) हरिहरौ
(3) शुकबकम् (4) इन्द्राग्नी

65. "<u>अस्मात् स्थानाद्</u> गृहं गमिष्यामि।" अत्र रेखाङ्कित स्थाने प्रयोक्तव्यं समुचितम् अव्ययमस्ति –

(1) ततः (2) यतः
(3) कुतः (4) इतः

66. 'स्वरवैसादृश्येऽपि व्यंजनसदृशत्वं' कस्यालंकारस्य लक्षणमेतत्?

(1) यमकस्य (2) वक्रोक्तेः
(3) अनुप्रासस्य (4) श्लेषस्य

67. "समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः।" वेदमन्त्रेऽस्मिंन् 'आकूतिः' पदस्य समुचितोऽर्थोऽस्ति –

(1) व्यक्तित्वम् (2) संकल्पः
(3) आकृतिः (4) आकर्षणम्

68. व्यंजनसन्धेः समुचितम् उदाहरणम् अस्ति –

(1) हरयिह (2) मनीषा
(3) वागीशः (4) शकन्धुः

69. 'शिक्षक से संस्कृत पढ़ता है।' अस्य वाक्यस्य संस्कृते अनुवादः –

(1) शिक्षकाय संस्कृतं पठति। (2) शिक्षकेण संस्कृतं पठति।
(3) शिक्षकात् संस्कृतं पठति। (4) शिक्षकं संस्कृतं पठति।

70. सुबन्धुविर चितस्य 'वासवदत्ता' इति गद्यकाव्यस्य प्रमुखनायकोऽस्ति –

(1) विश्रुतः (2) उदयनः
(3) कन्दर्पकेतुः (4) श्वेतकेतुः

71. एतेषु सुमेलनं कृत्वा सम्यक् विकल्पं चिन्वन्तु –

(अ) हरिः वैकुण्ठे शेते। (i) कालाध्वनोरत्यन्त संयोगे।
(ब) क्रोशं कुटिला नदी। (ii) भीत्रार्थानां भयहेतुः।
(स) सज्जनाय पर निन्दा न स्वदते। (iii) आधारोऽधिकरणम्।
(द) सः शिशुं सिंहात् त्रायते। (iv) सच्यर्थानां प्रीयमाणः।

(1) (अ)–(iv), (ब)–(iii), (स)–(ii), (द)–(i) (2) (अ)–(iii), (ब)–(i), (स)–(ii), (द)–(iv)
(3) (अ)–(i), (ब)–(iv), (स)–(iii), (द)–(ii) (4) (अ)–(iii), (ब)–(i), (स)–(iv), (द)–(ii)

72. 'पचेते + इमौ' इत्यत्र संधियुक्तं पदं वर्तते –

(1) पचेतेऽमौ (2) पचेतयिमौ

(3) पचेतैमौ (4) पचेते इमौ

73. 'उप + कृ + क्त्वा' इत्यत्र रूपं भविष्यति –

(1) उपकृत्वा (2) उपकृत्य

(3) उपकरित्वा (4) उपकार्यः

74. अधोलिखितेषु शतृ प्रत्ययान्तंपदमस्ति –

(1) आसीनम् (2) पचन्तम्

(3) गोमान् (4) पचमानम्

75. उपमानोपमेययोः अभेदत्वे कोऽलङ्कारः?

(1) निदर्शना (2) अपह्नुतिः

(3) अनन्वयः (4) रूपकम्

76. "रामो गच्छति" कस्य सूत्रस्योदाहरणमस्ति?

(1) अतो रोरप्लुतादप्लुते (2) भो भगो अघो अपूर्वस्य योऽशि

(3) रोरि (4) हशि च

77. ताल्वादिषु सभागेषु स्थानेषूर्ध्वभागे निष्पन्नोऽच् संज्ञः स्यात् –

(1) उदात्तसंज्ञः (2) दीर्घसंज्ञः

(3) ह्रस्वसंज्ञः (4) प्लुतसंज्ञः

78. 'दा' इत्यस्य धातोः सन्दर्भे समुचितं नास्ति –

(1) ददति – लट्लकार प्रथम पुरुष – बहुवचनम् (2) अददुः – लङ्–लकार मध्यम पुरुषैकवचनम्

(3) दत्तात् – लोट्लकार मध्यम पुरुषैकवचनम् (4) दद्याः – विधिलिङ्लकार मध्यम पुरुषैकवचनम्

79. शब्दरूपसन्दर्भे कतमो विकल्पो सुमेलितो नास्ति –

(1) वारिणि – 'वारि'–सप्तमी–एकवचनम् (2) भूभृत्सु – 'भूभृत्'–सप्तमी बहुवचनम्

(3) नदीः – 'नदी' द्वितीया–बहुवचनम् (4) गच्छति – 'गच्छत्'–सप्तमी–एकवचनम्

80. "आद्ये वयसि नाधीतं, द्वितीये नार्जितं धनम्।
तृतीये न तपस्तप्तं, चतुर्थे किं करिष्यति?।।"
श्लोकेऽस्मिन् क्रमशः केषाम् आश्रमाणां चर्चा विहिता?

(1) गृहस्थ – वानप्रस्थ – ब्रह्मचर्य – संन्यासाश्रमाणाम्

(2) ब्रह्मचर्य – वानप्रस्थ – गृहस्थ – संन्यासाश्रमाणाम्

(3) संन्यास – वानप्रस्थ – गृहस्थ – ब्रह्मचर्याश्रमाणाम्

(4) ब्रह्मचर्य – गृहस्थ – वानप्रस्थ – संन्यासाश्रमाणाम्

81. लृट्लकारस्य शुद्धं रूपमस्ति –

(1) असिष्यति – अस् धातुः (2) द्रक्ष्यति –दृश् धातुः

(3) लिखिष्यति – लिख् धातुः (4) नमिष्यति – नम् धातुः

82. अधोलिखितेषु यणसन्धेरुदाहरणमस्ति –

(1) अन्वयः (2) कर्कन्धुः

(3) प्रेजते (4) शिवायोन्नमः

83. एषु इत्संज्ञा – विधायकं सूत्रं नास्ति –
(1) लशक्वतद्धिते (2) षः प्रत्ययस्य
(3) आदिरन्त्येन सहेता (4) चुटू

84. 'जातवेदस्' अभिधानेन कः देवः प्रसिद्धः?
(1) अग्निः (2) संज्ञानः
(3) वरुणः (4) इन्द्रः

85. रघुवंशस्य कस्मिन् सर्गे रघुकौत्ससंवादोऽस्ति?
(1) अष्टमे (2) पञ्चमे
(3) द्वादशे (4) चतुर्थे

86. 'त्वं जीवितं त्वमसि मे हृदयं द्वितीयं' एषा प्रसिद्धा पंक्तिः कुत्रायाति?
(1) शिशुपालवधे (2) कुमारसंभवे
(3) उत्तररामचरिते (4) मेघदूते

87. 'गुणवती कन्या' कथा कस्मिन् काव्ये आयाति?
(1) दशकुमारचरिते (2) स्वप्नवासवदत्ते
(3) रामायणे (4) मुद्राराक्षसे

88. "त्रिमुनियतियुता" इति यति नियमयुक्तं छन्दो वर्तते –
(1) स्रग्धरा (2) वसन्ततिलका
(3) शार्दूलविक्रीडितम् (4) शिखरिणी

89. यदोलोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद् विपुलताम्,
यदर्धे विच्छिन्नं भवति कृत्संधानमिव तत्।
प्रकृत्या यद वक्रं तदपि समरेखं नयनयोः
न मे दूरे किंचित् क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात्।।
इत्यत्र कोऽलंकारः?
(1) उपमा (2) निदर्शना
(3) स्वभावोक्तिः (4) दीपकम्

90. 'संहिता' विधायकं सूत्रमस्ति –
(1) सन्निकर्षः परः संहिता (2) हलोऽनन्तरा संयोगः
(3) आदिरन्त्येन सहेता (4) परः सन्निकर्षः संहिता

91. शब्दरूपसन्दर्भे असंगतं विकल्पं चिनुत –
(1) इमान् – 'इदम्' द्वितीया–बहुवचनम् (2) वध्वा – 'वधू' तृतीया–एकवचनम्
(3) तस्यै – 'तत्' चतुर्थी–एकवचनं–पुंल्लिंगे (4) मधूनि – 'मधु' प्रथमा–बहुवचनम्

92. अग्निसूक्तस्य (1.1) ऋषिरस्ति –
(1) मधुच्छन्दा (2) गृत्समद्
(3) हिरण्यस्तूपः (4) आङ्गिरसः

93. चतुर्षु विकल्पेषु एकमसंगतमस्ति –
(1) सेवन्ते – सेव्धातु लट्लकार प्रथमपुरुष–बहुवचनम्
(2) सेवामहै – सेव्धातु लट्लकारोत्तमपुरुषैकवचनम्
(3) सेवेथाः – सेव्धातु विधिलिङ्लकार मध्यमपुरुषैकवचनम्
(4) सेविष्यध्वे – सेव्धातुलृट्लकार मध्यमपुरुष बहुवचनम्

60037717

94. एषु कथनेषु समीचीनं नास्ति –

(1) भवेः – विधिलिङ्लकार मध्यमपुरुषैकवचनम्

(2) तिष्ठेताम् – विधिलिङ् प्रथमपुरुष –द्विवचनम्

(3) गच्छत – लोट्लकार मध्यमपुरुष –बहुवचनम्

(4) अपिबम – लङ्लकार उत्तमपुरुषैकवचनम्

95. एषापि प्रियेण विना गमयति रजनीं विषाददीर्घतराम्
गुर्वपि विरहदुःखमाशाबन्धः साहयति।
इत्यत्र कोऽलंकारः?

(1) उत्प्रेक्षा
(2) स्वभावोक्तिः
(3) अर्थान्तरन्यासः
(4) दीपकम्

96. समुचिताव्ययप्रयोगेन रिक्तस्थानानि पूरयतु –

अव्ययपदानि – (i) चिरम् (ii) पुनः (iii) अत्र (iv) धिक्

वाक्यानि –

(अ) यत्ने कृते यदि न सिध्यति कः..........................दोषः।
(ब) ....तां च तं च मदनं च इमाञ्च माञ्च।
(स) भस्मी भूतस्य देहस्य..आगमनं कुतः?
(ब) मुहूर्त्तं ज्वलितं श्रेयो न च धूमायितं.................................।

(1) (अ)–(iv), (ब)–(iii), (स)–(ii), (द)–(i)
(2) (अ)–(iii), (ब)–(iv), (स)–(ii), (द)–(i)
(3) (अ)–(iii), (ब)–(iv), (स)–(i), (द)–(ii)
(4) (अ)–(i), (ब)–(ii), (स)–(iii), (द)–(iv)

97. आर्याछन्दः सन्दर्भे अनुचितं कथनमस्ति –

(1) मात्रिकं छन्दः वर्तते
(2) प्रथमे चरणे द्वादश–मात्राः भवन्ति
(3) तृतीये चरणेऽपि द्वादश–वर्णाः भवन्ति
(4) द्वितीय चरणे अष्टादशः मात्राः भवन्ति

98. 'श्रियः कुरूणामधिपस्य पालनीं......................।' इत्यस्मात् कस्य महाकाव्यस्य आरम्भः भवति?

(1) किरातार्जुनीयस्य
(2) कुमारसंभवस्य
(3) रघुवंशस्य
(4) मेघदूतस्य

99. सर्गसंख्यानुसारं सुमेलितं कुरुत –

(क) किरातार्जुनीयम् (i) 20
(ख) शिशुपालवधम् (ii) 22
(ग) नैषधीयचरितम् (iii) 18
(घ) रघुवंशम् (iv) 19

(1) (क)–(iii), (ख)–(i), (ग)–(ii), (घ)–(iv)
(2) (क)–(i), (ख)–(ii), (ग)–(iii), (घ)–(iv)
(3) (क)–(ii), (ख)–(iv), (ग)–(iii), (घ)–(i)
(4) (क)–(iii), (ख)–(iv), (ग)–(ii), (घ)–(i)

100. "आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण" वाक्यांशेन भर्तृहरिणा प्रतिपादिता –

(1) काञ्चनस्य विशेषता
(2) सज्जनस्य मैत्री
(3) स्त्रीणां मैत्री
(4) खलस्य मैत्री

101. एषु 'आ' उपसर्गयुक्तपदं नास्ति –

(1) व्याधिः
(2) आविर्भवति
(3) अन्वाचिनोति
(4) आगच्छति

102. "सम्राट् + हतः" इत्यत्र सन्धिरूपम् अस्ति –

(1) सम्राढ् हतः (2) सम्राट् ढतः

(3) सम्राड् ढतः (4) सम्राज् हतः

103. 'मानवंशम्' इति महाकाव्यस्य रचयिता –

(1) कलानाथशास्त्री (2) भट्टमथुरानाथशास्त्री

(3) अंबिकादत्तव्यासः (4) पंडितसूर्यनारयणशास्त्री

104. शुकनासोपदेशे अनर्थपरम्परायाः चतुर्षु कारणेषु सम्मिलितं नास्ति –

(1) अप्रतिमरूपत्वम् (2) अगर्भेश्वरत्वम्

(3) अभिनवयौवनत्वम् (4) अमानुष शक्तित्वम्

105. कलानाथशास्त्रिणः रचना नास्ति –

(1) संस्कृतनाट्यवल्लरी (2) कथानकवल्ली

(3) विद्वज्जनचरितामृतम् (4) जयपुरवैभवम्

106. 'तू धन के लिए प्रयत्न करता है' – संस्कृते सम्यक् अनुवादः स्यात् –

(1) त्वं धनाय इच्छति। (2) त्वं धनाय प्रयसे।

(3) त्वं धनाय प्रयतसे। (4) त्वं धनं प्रयसे।

107. "रमेशः" इत्यत्र कः सन्धिः?

(1) अयादिः (2) गुणः

(3) वृद्धिः (4) दीर्घः

108. परसवर्णसंधेः उदाहरणमस्ति –

(1) विद्वाँल्लिखति (2) यशांसि

(3) वाङ्मयम् (4) सम्पद्धर्षः

109. उत्तररामचरिते छायाङ्क वर्तते –

(1) पंचमाङ्कः (2) षष्ठाङ्कः

(3) तृतीयाङ्कः (4) द्वितीयाङ्कः

110. हिरण्मयेन पात्रेण कस्य मुखम् अपिहितम्?

(1) सुरस्य (2) लोकस्य

(3) ईश्वरस्य (4) सत्यस्य

111. बलिं याचते <u>वसुधाम्</u>। – इत्यस्मिन् रेखांकितपदे संज्ञा संज्ञासूत्रञ्च स्तः –

(1) कर्म संज्ञा – कर्तुरीप्सिततमं कर्म (2) अपादान संज्ञा – ध्रुवमपायेऽपादानम्

(3) अधिकरणं संज्ञा – आधारोऽधिकरणम् (4) कर्म संज्ञा – अकथितं च

112. अव्ययीभावप्रसंगे सुमेलनं कृत्वा समुचितमुत्तरं चिन्वन्तु –

(अ) सुभद्रम् (i) शब्दप्रादुर्भावार्थे

(ब) इतिहरि (ii) यौगपद्यार्थे

(स) अनुपदम् (iii) समृद्ध्यर्थे

(द) सचक्रम् (iv) पश्चादर्थे

(1) (अ)–(i), (ब)–(iv), (स)–(ii), (द)–(iii) (2) (अ)–(iv), (ब)–(i), (स)–(iii), (द)–(ii)

(3) (अ)–(iii), (ब)–(i), (स)–(iv), (द)–(ii) (4) (अ)–(iii), (ब)–(i), (स)–(ii), (द)–(iv)

113. "ज्योतिष्मन्तं केतुमन्तं त्रिचक्रं सुखं रथं सुषदं भूरिवारम्।" मन्त्रांशोऽयं मिलति –

(1) इन्द्रसूक्ते
(2) पुरुषसूक्ते
(3) संज्ञानसूक्ते
(4) विश्वेदेवासूक्ते

114. "भर्तृस्नेहात् सा हि दग्धाऽप्यदग्धा।" भासविरचिते स्वप्नवासवदत्ते कथनमिदं कस्य?

(1) ब्रह्मचारिणः
(2) विदूषकस्य
(3) यौगन्धरायणस्य
(4) पद्मावत्याः

115. समुचितं सम्मेलनं कुरुत –

(क) प्रायेण उभय पदार्थ प्रधानः	(i) द्विगुः
(ख) संख्यापूर्वो	(ii) कर्मधारयः
(ग) प्रायेण अन्य पदार्थ प्रधानः	(iii) द्वन्द्वः
(घ) समानाधिकरणः तत्पुरुषः	(iv) बहुव्रीहिः

(1) (क)–(iii), (ख)–(ii), (ग)–(i), (घ)–(iv)
(2) (क)–(iii), (ख)–(i), (ग)–(iv), (घ)–(ii)
(3) (क)–(iv), (ख)–(i), (ग)–(iii), (घ)–(ii)
(4) (क)–(ii), (ख)–(i), (ग)–(iv), (घ)–(iii)

116. एषु कस्मिन् ग्रन्थे पर्वतक पुत्र मलयकेतोः वर्णनं प्राप्यते?

(1) मृच्छकटिके
(2) कुमारसम्भवे
(3) मेघदूते
(4) मुद्राराक्षसे

117. प्रजाः प्रजाः स्वा इव तन्त्रयित्वा
निषेवते श्रान्तमना विविक्तम्।
यूथानि संचार्य रविप्रतप्तः
शीतं दिवा स्थानमिव द्विपेन्द्रः।।
इत्यस्मिन् श्लोके कोऽलंकारः?

(1) दृष्टान्तः
(2) अर्थान्तरन्यासः
(3) यमकम्
(4) व्यतिरेकः

118. पुरुषसूक्तस्य ऋषिरस्ति –

(1) गृत्समदः
(2) वशिष्ठः
(3) नारायणः
(4) विश्वामित्रः

119. दशकुमारचरिते कस्य राजकुमारस्य वर्णनप्रसङ्गे ओष्ठ्यवर्णानां प्रयोगः न कृतः?

(1) मन्त्रगुप्तस्य
(2) उपहारवर्मणः
(3) मित्रगुप्तस्य
(4) राजगुप्तस्य

120. शब्दरूपदृष्ट्या असंगतं कथनमस्ति –

(1) पितरि – सप्तमी–एकवचनम्
(2) मधुनाम् – षष्ठी–बहुवचनम्
(3) पत्युः – पंचमी–एकवचनम्
(4) मतये – चतुर्थी–विभक्ति–एकवचनम्

121. धातुरूपदृष्ट्या एषु किम् शुद्धम्?

(1) द्रक्ष्यति – दृश्धातु लृट्लकार प्रथमपुरुषैकवचनम्
(2) पक्ष्यति – पच्धातु लृट्लकार प्रथमपुरुषैक वचनम्
(3) जेस्यन्ति – जिधातु लृट्लकार प्रथमपुरुष– बहुवचनम्
(4) नंस्यति – नम्धातु लृट्लकार प्रथमपुरुषैकवचनम्

122. पंपा–सरोवरस्य वर्णनमस्मिन् काव्ये वर्तते –

(1) मृच्छकटिके
(2) स्वप्नवासवदत्ते
(3) दशकुमारचरिते
(4) कादम्बर्य्याम्

123. सभङ्गश्लेषभेदेषु न वर्तते –

(1) विभक्तिश्लेषः
(2) वाक्यश्लेषः
(3) वचनश्लेषः
(4) पदश्लेषः

124. शुद्धं वाक्यमस्ति –

(1) सम्राटस्य आज्ञा सदैव परिपालनीया
(2) स्वामिनं प्रार्थयित्वा गृहेण गच्छ
(3) सिंहाः हरिणान् निहन्ति
(4) उदिते सवितरि कमलं विकसति

125. "सर्वेषु शयानेषु कमला रोदिति।" अत्र सप्तमीविधायकं सूत्रमस्ति –

(1) यतश्च निर्धारणम्
(2) सप्तमी– पञ्चम्यौ कारकमध्ये
(3) यस्य च भावेन भावलक्षणम्
(4) षष्ठी चानादरे

126. इन्द्रसूक्तं (2.12) केन छन्दसा निबद्धम्?

(1) वृहती
(2) त्रिष्टुप्
(3) जगति
(4) गायत्री

127. अयं संस्कारः "ब्रह्मचर्याश्रमसमाप्तिसूचकः" अस्ति –

(1) समावर्तनः
(2) चूड़ाकर्मः
(3) विवाहः
(4) केशान्तः

128. 'कामात् क्रोधोऽभिजायते' – एतद् वाक्यं कस्य सूत्रस्योदाहरणम् अस्ति?

(1) आख्यातोपयोगे
(2) कर्तृकर्मणोः कृतिः
(3) जनिकर्तुः प्रकृतिः
(4) भुवः प्रभवः

129. "पृथुकार्तस्वर पात्रं भूषितनिःशेषपरिजनं देव!
विलसत्करेणुगहनं सम्प्रति सममावयोः सदनम्॥"
अत्र कोऽलङ्कारः?

(1) श्लेषः
(2) भ्रान्तिमान्
(3) सन्देहः
(4) दृष्टान्तः

130. पद्मशास्त्रि विरचितः कथासंग्रहोऽस्ति –

(1) दीपकथासंग्रहः
(2) सौरभशतकम्
(3) विश्वकथाशतकम्
(4) सिनेमाशतकम्

131. पाठस्य प्रारम्भ कौशलमस्ति –

(1) पुनर्बलनकौशलम्
(2) प्रस्तावनाकौशलम्
(3) प्रदर्शनकौशलम्
(4) अभ्यासकौशलम्

132. पाठानां भावसौन्दर्यस्य परीक्षणं कस्यां योजनायां भवति?

(1) पद्यपाठयोजनायाम्
(2) व्याकरणपाठयोजनायाम्
(3) नाटकपाठयोजनायाम्
(4) गद्यपाठयोजनायाम्

6003717
6003717
6003717
6003717

133. अनुवादशिक्षणरस्य पाठयोजनायाः सामान्योद्देश्यं न भवति –

(1) छात्राणां शब्दकोशवर्धनम्।

(2) छन्दोऽलङ्काराणां ज्ञानप्रदानम्।

(3) मातृभाषातः संस्कृतभाषायाम् अनुवादकरणस्य योग्यतोत्पादनम्।

(4) वाक्यरचनाक्र मस्य दक्षतासम्पादनम्।

134. व्याख्याकौशलघटकेषु वाञ्छितव्यवहारः नास्ति –

(1) बोधपरीक्षणम्

(2) प्रारम्भिककथनम्

(3) निरन्तरकथनस्याभावः

(4) आवश्यक बिन्दूनामुपरिध्यानम्

135. पारायणविधेः अन्तर्भावः कस्मिन् विधौ वर्तते?

(1) भण्डारकरविधौ

(2) पाठशालाविधौ

(3) पाठ्यपुस्तकविधौ

(4) खण्डान्वयविधौ

136. हरबर्टशिक्षणविधौ पञ्चपदानां शिक्षणक्रमः वर्तते –

(1) प्रस्तुतीकरणं, प्रस्तावना, तुलना, प्रयोगः, नियमीकरणम्

(2) प्रस्तावना, प्रस्तुतीकरणं, तुलना, सामान्यीकरणं, प्रयोगः

(3) प्रस्तावना, प्रयोगः, तुलना, प्रस्तुतीकरणं, नियमीकरणम्

(4) नियमीकरणं, प्रस्तुतीकरणं, प्रस्तावना, तुलना, प्रयोगः

137. गद्यपाठयोजनायां न भवति –

(1) सस्वरपाठः

(2) प्रस्तावना

(3) काठिन्यनिवारणम्

(4) प्रश्नः

138. वर्णोच्चारणविधेः अपरं नाम अस्ति –

(1) अनुकरणविधिः

(2) अक्षरबोधविधिः

(3) ध्वनि–साम्यविधिः

(4) चित्रविधिः

139. सुकरातविधिः वर्तते –

(1) प्रश्नोत्तरविधिः

(2) प्रायोजनाविधिः

(3) अन्वेषणविधिः

(4) व्याख्याविधिः

140. कस्यां पाठयोजनायाम् उदाहरणं प्रस्तूय नियमं प्रति गम्यते?

(1) अनुवादपाठयोजनायाम्

(2) व्याकरणपाठयोजनायाम्

(3) पद्यपाठयोजनायाम्

(4) नाट्यपाठयोजनायाम्

141. संग्रन्थनोपागमः विधिः कुत्र सर्वाधिकोपयुक्तः?

(1) रचनाशिक्षणे

(2) व्याकरणशिक्षणे

(3) पद्यशिक्षणे

(4) गद्यशिक्षणे

142. पाठस्य सारः कदा कथ्यते?

(1) अध्यापकव्याख्यायाम्

(2) बोधप्रश्नसमये

(3) काठिन्यनिवारणे

(4) अनुवाचने

143. दृष्टान्तकौशलस्य घटकेषु नास्ति –

(1) सरलोदाहरणानां निर्माणम्
(2) उदाहरणाय उचितमाध्यमस्य प्रयोगः
(3) उचितोदाहरणानां निर्माणम्
(4) अन्तःक्रियाशैलीपरिवर्तनम्

144. प्रस्तावनाकौशले छात्रस्य परीक्षणं भवति –

(1) विचार विश्लेषणस्य परीक्षणम्
(2) पाठस्य पुनरावृत्तेः परीक्षणम्
(3) उपलब्धेः परीक्षणम्
(4) पूर्वज्ञानस्य परीक्षणम्

145. भाषा–कौशलानां क्रमः –

(1) लेखनम्, पठनम्, श्रवणम्, भाषणम्
(2) भाषणम्, पठनम्, लेखनम्, श्रवणम्
(3) श्रवणम्, भाषणम्, पठनम्, लेखनम्
(4) पठनम्, लेखनम्; श्रवणम्, भाषणम्

146. सूक्ष्मशिक्षणकौशलं नास्ति –

(1) प्रस्तावनाकौशलम्
(2) आगमन–निगमनकौशलम्
(3) पुनर्बलनकौशलम्
(4) श्यामपट्टकौशलम्

147. नाटकशिक्षणस्य कोऽयं विधिः सर्वोत्तमः विधिः?

(1) आदर्शनाट्यविधिः
(2) समवायविधिः
(3) पाठशालाविधिः
(4) कक्षाऽभिनयविधिः

148. भाषाशिक्षणे अभिव्यक्तिकौशले स्तः –

(1) पठनलेखने
(2) भाषणलेखने
(3) श्रवणभाषणे
(4) श्रवणपठने

149. पद्यशिक्षणस्य विधिसन्दर्भे समुचितं कथनमस्ति –

(1) खण्डान्वयविधौ अनुवादाधारिताः प्रश्नाः भवन्ति।
(2) परम्परागतविधौ प्रस्तावनापरकाः प्रश्नाः भवन्ति।
(3) टीकाविधौ पद्यस्य सस्वरवाचनं भवति।
(4) दण्डान्वयविधौ व्याकरणसम्बन्धिनः प्रश्नाः भवन्ति।

150. पठनकौशलस्य विकासाय विधिरस्ति –

(1) श्रुतलेखविधिः
(2) वर्णोच्चारणविधिः
(3) आगमनविधिः
(4) खण्डान्वयविधिः

60
03
717

6003717

6003717

6003717

6003717